वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) से (ङ) वाणिज्य मंत्रालय निर्यातों के राज्यवार आंकड़े नहीं रखता है।

चावल के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु बनाई गई योजनाएं

6758. **श्री संघ प्रिय गौतम** : क्या **वाणिज्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने चावल के निर्यात को और अधिक बढ़ावा देने हेतु कोई नयी योजना बनाई हैं ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार ने चावल के निर्यात हेतु कोई निर्यात संवर्धन परिषद् गठित की हैं ;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) पिछले तीन वर्षों के दौरान वर्षवार किस-किस देश को कितनी-कितनी मात्रा में चावल का निर्यात किया गया और उससे कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) तथा (ख) चावल का निर्यात बढ़ाने के लिए किए गए कुछ उपायों में शामिल हैं :—

(1) कीमत एवं मात्रा संबंधी प्रतिबंध हटाना।

(2) वर्ष 1995–96 के दौरान भारतीय खाद्य निगम को केन्द्रीय पूल से 2.0 मिलियन मीट्रिक टन उत्तम एवं सर्वोत्तम किस्म के चावल का निर्यात करने/बेचने की अनुमति देना।

(3) व्यापार मेलों/प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए विदेशों में अभियान चलाने के लिए सहायता।

(ग) तथा (घ) बासमती चावल के निर्यात के लिए किसी निर्यात संवर्धन परिषद् की स्थापना नहीं की गयी है। तथापि, गैर-बासमती चावल के निर्यात की देखरेख कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण द्वारा की जाती है।

(ङ) पिछले तीन वर्षों के दौरान चावल का निर्यात नीचे दिया गया है :—

मात्रा : लाख मी० टन में
कीमत : करोड़ रु० में

वर्ष	बासमती चावल		गैर बासमती चावल		कुल	
	मात्रा	कीमत	मात्रा	कीमत	मात्रा	कीमत
1991–92	2.67	499.18	4.12	256.41	6.79	755.89
1992–93	3.25	800.64	2.56	174.96	5.81	975.60
1993–94	5.36	1030.95	2.69	249.14	8.05	1280.09
1994–95 (अप्रैल–फर.)	4.19	753.11	2.63	216.75	6.82	969.86

स्रोत : (डी जी सी आई एण्ड एस, कलकत्ता)

देशवार आंकड़े वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित मासिक बुलेटिन/वार्षिक अंकों में उपलब्ध हैं जिनकी प्रतियां संसद पुस्तकालय में उपलब्ध हैं ।

Export of Floriculture Items

6759. SHRI SANGH PRIYA GAUTAM: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the details of floriculture items being exported without any restrictions at present;

(b) the foreign exchange earnings by export of such items; and

(c) the details of other variety of floricultural items that Government are considering to allow for export without licence?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) Export of all floriculture items such as cut flowers, live plants, foliage, bulbs and tubers is allowed without any restriction except those which are covered by SI. No. 3, Part I, Chapter XVI of the Export Import Policy for 1992—97 (as amended upto 31st March, 1995).

(b) Value of floriculture items exported during the years 1993-94, and 1994-95 (April—November) are as under:—

	(In Rs. Lakh)	
	1993-94	1994-95 (April-Nov.)
Cut Flowers Fresh .	99.64	61.74
Dried Flowers .	1092.13	1310.41
Live Plants . .	243.97	161.12
Dried Plants . .	298.38	38.12
Bulbs & Tubers .	149.53	34.08
TOTAL :	1883.65	1605.47

(Source : DGCI & S, Calcutta)

(c) Trade Policy review is an on going exercise. As and when Govt. takes a decision with respect to any item, it will be notified to the public.

Steps taken to reduce Litigation in ITPO

6760. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of COMMERCE be pleased to refer to the answer to Starred Question No. 467 given in the Rajya Sabha on 8th May, 1995 and state what steps have been taken to make the ITPO a less litigious organisation?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): The following steps have been taken to reduce litigation in ITPO :—

(i) Welfare & Grievances Officer has been appointed.

(ii) Opportunity is given for constant interaction between Management and the Employees' Union and Officers' Association.

(iii) The Joint Consultative Machinery between Management and staff of ITPO also looks into various grievances from time to time.

Exports of Indian Footwear

6761. SHRI O. P. KOHLI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem appearing in the Times of India, dated the 24th April, 1995 under the caption "India way behind in leather exports";

(b) if so, the reasons for which the Indian footwear industry is lagging far behind its chinese counterpart in the world leather trade market as China exports about 300 million pairs of shoes annually whereas India exports a little over 18 million pairs; and

(c) the efforts being made to augment export of Indian footwear?